



राष्ट्रीय सहकार मसाला मेला-2025

चर्चा में क्यों?

राजस्थान सहकारिता विभाग एवं राजस्थान राज्य सहकारी उपभोक्ता संघ द्वारा [जयपुर के जवाहर कला केंद्र](#) में [राष्ट्रीय सहकार मसाला मेला-2025](#) आयोजित किया गया।

मुख्य बंदि

मेले के बारे में:

- मेले में विभिन्न प्रकार के **स्वास्थ्यवर्धक और परंपरागत मसाले**, **मलिट्स अनाज (श्री अन्न)** से बने उत्पाद और अन्य सहकारी उत्पादों की प्रदर्शनी की गई।
- इस वर्ष मेले में **श्री अन्न से बने उत्पाद विशेष रूप से आकर्षण के केंद्र बने हैं।**
- मेले में विभिन्न **सुव्यं सहायता समूह**, सहकारी उपभोक्ता संघ और स्थानीय उत्पादकों ने अपनी विविध उत्पाद शृंखला के साथ भाग लिया।
- यह मेला उपभोक्ताओं को सीधे शुद्ध, गुणवत्तापूर्ण और स्वास्थ्यकर उत्पाद खरीदने का अवसर प्रदान करता है।
- मेले के माध्यम से **स्थानीय स्तर पर रोजगार और आर्थिक सशक्तीकरण** को बढ़ावा मिलता है।

मलिट्स

- यह एक सामूहिक शब्द है, जो अनेक छोटे बीज वाली घासों (**small-seeded grasses**) को संदर्भित करता है, जिनकी खेती अनाज की फसलों के रूप में की जाती है, मुख्य रूप से **समशीतोष्ण, उपोष्णकटिबंधीय और उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों** में शुष्क क्षेत्रों की सीमांत भूमि पर।
- भारत में उपलब्ध कुछ सामान्य मोटे अनाज हैं रागी (फगिर मलिट), ज्वार (सोरघम), समा (लटिलि मलिट), बाजरा (परल मलिट) और वरगिा (प्रोसो मलिट)।
- वैश्विक और भारतीय उत्पादन: भारत बाजरा का सबसे बड़ा उत्पादक है, इसके बाद नाइजर और चीन का स्थान है।
- बाजरा संवर्धन: **खाद्य और कृषि संगठन (FAO)** द्वारा वर्ष 2023 को अंतरराष्ट्रीय बाजरा वर्ष के रूप में मान्यता दी गई।
 - भारत सरकार **राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मशिन** के तहत बाजरा उत्पादन को बढ़ावा देती है।

कदन्न (MILLETS)

कदन्न/ मिलेट्स/ मोटा अनाज:

- छोटे-बीज वाली फसलों को मिलेट्स के रूप में जाना जाता है
- अक्सर इन्हें 'सुपरफूड' के रूप में भी जाना जाता है
- इन अनाजों के प्रमाण सबसे पहले सिंधु सभ्यता में पाए गए और ये भोजन के लिये उगाए गए पहले पौधों में से थे।

जलवायु संबंधी स्थिति:

- भारत में मुख्य रूप से खरीफ की फसल
- तापमान: 27°C-32°C
- वर्षा: लगभग 50-100 सेमी
- मिट्टी का प्रकार: अवर जलोढ़ या दोमट मिट्टी

भारत और कदन्न:

- विश्व का सबसे बड़ा कदन्न उत्पादक:
 - ▶ वैश्विक उत्पादन का 20%, एशिया के उत्पादन का 80%
- सामान्य कदन्न:
 - ▶ रागी (Finger millet), ज्वार (Sorghum), सम्रा (Little millet), बाजरा (Pearl millet), और चेना / पुनर्वा (Proso millet)
 - ▶ स्वदेशी किस्में (छोटे बाजरा)-कोदो, कुटकी, चेना और साँवा
- शीर्ष कदन्न उत्पादक राज्य:
 - ▶ राजस्थान > कर्नाटक > महाराष्ट्र > मध्य प्रदेश > उत्तर प्रदेश
- सरकार की पहलें:
 - ▶ 'गहन कदन्न संवर्द्धन के माध्यम से पोषण सुरक्षा हेतु पहल' (INSIMP)
 - ▶ इंडियाज वेल्थ, मिलेट्स फॉर हेल्थ
 - ▶ मिलेट्स स्टार्टअप इनोवेशन चैलेंज
 - ▶ कदन्न के लिये एमएसपी में वृद्धि
 - ▶ कृषि मंत्रालय ने 2018 में कदन्न को "पोषक अनाज" के रूप में घोषित किया



अंतर्राष्ट्रीय कदन्न वर्ष वर्ष 2023

भारत द्वारा प्रस्तावित, UNGA द्वारा घोषित

MILLET MAP OF INDIA



महत्त्व

- ▶ कम महंगा, पोषण की दृष्टि से बेहतर
- ▶ उच्च प्रोटीन, फाइबर, खनिज, लोहा, कैल्शियम और कम ग्लाइसेमिक इंडेक्स
- ▶ जीवनशैली की समस्याओं और स्वास्थ्य (मोटापा, मधुमेह आदि) से निपटने में मददगार
- ▶ फोटो-असंवेदनशील, जलवायु परिवर्तन के प्रति लचीला, जल गहन